डिग्री पाकर खिले यूटीयू के छात्र-छात्राओं के चेहरे

समारोह में 5387 विद्यार्थियों को स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्रदान की गईं,24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां देकर सम्मानित

◆यूटीयू के दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल कहा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से काम करें युवा

5387 छात्र-छात्राएं दीक्षा लेकर निकले बेहतर भविष्य की राह पर

अमर हिन्दुस्तान ब्यूरो

देहरादून। कुलाधिपति/राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह सेनि ने मंगलवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस समारोह में 5387 विद्यार्थियों को स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्रदान की गईं, 43 विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए गए। राज्यपाल द्वारा डिजिलॉकर पर सभी विद्यार्थियों की डिग्रियां लाइव की गईं। राज्यपाल ने समारोह में 24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां देकर सम्मानित किया।

24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां देकर किया सम्मानित

प र

प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की एक प्रमुख युवा शक्ति बनकर उभर रहा है। हमारा युवा हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहा है। भारतीय स्टार्टअप्स की संख्या आज 1.25 लाख से अधिक हो चुकी है। छोटे शहरों और गांवों से निकले युवा खेल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह

उपाधि प्राप्त करना प्रत्येक विद्यार्थी का स्वप्न होता है: सिन्हा

शिक्षा तकनीकि सचिव डा रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करना प्रत्येक विद्यार्थी का स्वप्न होता है। अतः आपके लिए आज का दिन और यह आयोजन अधिक महत्वपूर्ण है। कुछ वर्ष पहलें इस विश्वविद्यालय में आप शिक्षा प्राप्त करने के लिए आये थे और अब समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए जा रहे है। आज से आपके जीवन का एक नया अध्याय आरंभ हो रहा है, अब आपके सामने पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ देशवासियों, विशेषकर समाज के निर्धन व असहाय लोगो की सेवा का महान लक्ष्य होना चाहिए। इस राह में आपके समक्ष अनेक कठिनाईयां व चुनौतियां सामने आयेंगी, जिनसे निपटने में आपका व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास, ईश्वर पर भरोसा तथा गुरूजन एवं माता-पिता से प्राप्त शिक्षा एवं उनके आर्शीवाद आपके सहायक बनेंगे। जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने में बेहतर शिक्षा सभी के लिए बहुत आवश्यक है। यह हममें आत्मविश्वास विकसित करने के साथ-साथ हमारे व्यक्तित्व निर्माण में स्वामी विवेकानन्द जी नें कहा था हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चारित्रिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हो और मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो सके। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का सुझाव था कि शिक्षण केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नही होना चाहिए, बल्कि योग्यता और गुणव पर ध्यान देने के साथ-साथ एक दूसरे के साथ संवाद करने वाला और अनौपचारिक होना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डा ओंकार सिंह ने गिनाई उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डा ओंकार सिंह ने कहा कि आज के दिन आप सभी की गरिमामयी उपस्थिति विश्वविद्यालय परिवार में ऊर्जा एवं उत्साह के साथ साथ इसके तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता स्थापित करने के संकल्प को संबल प्रदान कर रही है। विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षान्त समारोह में आप सबका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन। विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करने से पूर्व मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार, बाह्य शिक्षाविदों, पुरातन छात्रों, राज्य सरकार, कुलाधिपति कार्यालय, छात्र-छात्राओं तथा पत्रकारगणों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहना चाहता हूं कि आप सभी के परोक्ष एवं अपरोक्ष सहयोग के बिना विश्वविद्यालय द्वारा त्वरित गति से अपने निर्धारित लक्ष्यों की तरफ बढ़ना सम्भव नही था, मैं आपका आभारी हूँ। विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन हेतु वार्षिक आख्या अवधि में कार्यपरिषद की 03, विद्यापरिषद की 04, वित्त समिति की 02 व परीक्षा समिति की 04 बैठकें आयोजित की गयी। तथा आवश्यकतानुसार बोर्ड ऑफ स्टडीज की 17 बैठकों के माध्यम से सत्र 2022-23 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार परिमार्जित समस्त पाठ्यक्रमों को वैश्विक मापदण्डो तथा उद्योग जगत की अपेक्षाओं के अनुरूप संशोधित व विकसित कर लागू किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 से 1 वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम को दो वर्षीय कर दिया है तथा एआईसीटीई के अनुमोदनोपरान्त बीबीए व बीसीए पाठ्यक्रमों के लिये सम्बद्धता देना भी प्रारम्भ कर दिया गया है। समस्त सम्बद्ध तथा परिसर संस्थानों के लिए यूटीयू ई-लाइब्रेरी की सुविधा प्रारम्भ कर दी गयी है। विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्रों के लिए भी यूएमएस के माध्यम से समस्त गतिविधियां पोर्टल के माध्यम से सम्पन्न होना प्रारम्भ हो गया है। शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन हेतु छात्रों से उनके विषयवार शिक्षकों बावत 41 बिन्दुओं पर ऑनलाइन फीडबैक लेने की प्रक्रिया को मूल्यांकित उत्तरपुस्तिका अवलोकन के समय बाध्य कर दिया गया है।

- ◆24 पी.एच.डी. शोधार्थियों को उपाधियां हुई प्राप्ति
- ◆डॉ0 विजय पाण्डुरंग भटकर को डी0लिट0 व अरविन्द कुमार गुप्ता को मिली डी.एस.सी. की उपाधि
- ◆16 छात्रों को मिले स्वर्ण पदक

इस अवसर पर भारतीय कंप्यूटर विज्ञान के अग्रणी और सुपर कंप्यूटर के जनक, पद्मभूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर, को डीलिट और ''टॉयमैन ऑफ इंडिया'' के नाम से प्रसिद्ध, पद्मश्री श्री अरविंद कुमार गुप्ता को डीएससी की मानद उपाधि दी गई।

राज्यपाल ने अपने दीक्षांत संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि डिग्री प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन में नई संभावनाओं के द्वार खुल चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में भी जाएं अपने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ सर्वश्रेष्ठ योगदान दें, जो राष्ट्र और समाज के हित में हो। राज्यपाल ने भारत की तेजी से बदलती वैश्विक भूमिका

दर्शाता है कि भारत का युवा जोखिम लेने में सक्षम है और चुनौतियों का सामना करने का साहस रखता है।

राज्यपाल ने कहा कि युवाओं के हाथों में देश का भविष्य है और उनकी ऊर्जा, गति और कौशल ही नए भारत को आकार देगी। आज पूरी दुनिया भारत की ओर आशा और उम्मीद भरी नजरों से देख रही है जिस पर हमारे युवाओं को खरा उतरना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आज की युवा पीढ़ी अपने कौशल, नवाचार और समर्पण से विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करेगी।

इस अवसर परिग तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां ईमानदारी और सकारात्मकता के साथ कार्य करें। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आपके जज्बे और प्रतिभा के आगे कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचारों के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रभावी कदम उठाए हैं।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार के कुलपति प्रो. परविंदर कौशल एवं कुलसचिव प्रो. सतेन्द्र सिंह सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।